



# मलिन बस्ती में निवासरत लोगों का सामाजिक, आर्थिक एवं स्वस्थ का समाजशास्त्रीय अध्ययन (इलाहाबाद शहर के विशेष सन्दर्भ में)

डॉ. श्रीनिवास मिश्र<sup>1</sup> and जितेन्द्र कुमार यादव<sup>2</sup>

प्राध्यापक, समाजशास्त्र, शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अमरपाटन, सतना (म.प्र.)<sup>1</sup>

शोधार्थी, समाजशास्त्र, शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा (म.प्र.)<sup>2</sup>

## शोध सरांश

प्रस्तुत शोध पत्र में मलिन बस्ती में निवासरत लोगों से लिया गया है। वर्तमान में औद्योगिक केन्द्रों में जनसंख्या की तीव्र वृद्धि हुई है एवं उसी के अनुपात में मकानों का निर्माण नहीं हो पाने के कारण वहां अनेक गंदी बस्ती बन गयी है। विश्व के प्रत्येक प्रमुख नगर में नगर के पांचवें भाग से लेकर आधे भाग तक की जनसंख्या गंदी बस्ती अथवा उसी के समान दशाओं वाले मकानों में रहती है। नगरों की कैंसर के समान इस वृद्धि को विद्वानों ने पत्थर का रेगिस्तान व्याधिकी नगर नरक की संक्षिप्त रूपरेखा आदि कहकर पुकारा है। अध्ययन हेतु उद्देश्यपूर्ण निर्देशन के अध्ययन से 100 उत्तरदाताओं का चयन किया गया है तथ्यों के संकलन हेतु साक्षात्कार-अनुसूची का प्रयोग किया गया है शोध अध्ययन से ज्ञात होता है कि अध्ययन क्षेत्र में लोगों का स्वस्थ निम्न स्तर का है तथा लोगों को सामाजिक, आर्थिक समस्याओं का समना करना पड़ता है।

**मुख्य शब्द:** गंदी बस्ती, निवासरत लोग, सामाजिक, आर्थिक, स्वस्थ, समस्या आदि।

## Referances

- [1]. World News . Global . development un. Report march 2010
- [2]. [http. // Indian vision . com / news / article / national 98404](http://Indian vision . com / news / article / national 98404).
- [3]. Sensus of India 2001.
- [4]. India Country over view . September – 2011 WWW. World.Bank org in.
- [5]. State UTS – Wise Urban and Slum population IN India 2001.
- [6]. WHO and unicef 2002 global . water supply . and sanitilation assessment 2000 Report Newyork WHO And unicef.



[7]. Dyos H. J Canadine ,David Reader 1982 [http:// books goggle com](http://books.goggle.com).

[8]. योजना पत्रिका के विभिन्न अंक

[9]. कुरुक्षेत्र पत्रिका के विभिन्न अंक